इमरान ने कबूला, ओसामा को मार गिराने में आईएसआई ने की थी सीएआई की मदद

वॉशिंगटन। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने सीआईए को वह जानकारी दी थी जिससे अमेरिका को अल कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को मार गिराने में मदद मिली थी। प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को अमेरिका में एक मीडिया हाउस को दिए साक्षात्कार में यह सनसनीखेज खुलासा किया। इमरान खान का बयान इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पाकिस्तान लादेन के ठिकाने के बारे में लादेन की मौत से पहले कोई भी जानकारी होने की बात से इनकार करता रहा है। बता दें कि 02 मई 2011 को इस्लामाबाद के छावनी नगर ऐबटाबाद में अमेरिकी नेवी सील कमांडो (स्ड्ड14 की छापेमारी में ओसामा बिन लादेन को मार गिराया था। प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी पहली अमेरिका यात्रा पर पहुंचे इमरान खान ने एक साक्षात्कार में कहा कि वह आईएसआई थी जिसने सूचना दी थी जिससे सीआईए को ओसामा बिन लादेन के ठिकाने के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा कि यदि आप सीआईए से पूछें तो वह आईएसआई थी जिसने फोन के जरिए शुरुआती स्थान के बारे में जानकारी दी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से जब पूछा गया कि क्या उनका देश जेल में बंद पाकिस्तानी डॉक्टर शकील अफरीदी को रिहा करेगा जिन्होंने ओसामा का पता लगाने में सीआईए की मदद की थी। इस सवाल पर इमरान खान पाकिस्तानी डॉक्टर अफरीदी की रिहाई को लेकर किसी तरह की प्रतिबद्धता जताने से कतराते रहे। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शकील अफरीदी की रिहाई चाहते हैं।

कार की दीवानगी ने पहुंचाया जेल

बर्लिन। जर्मनी में एक युवती ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। उसकी शातिरताना हरकत की चर्चा देश-विदेश में हो रही है। कैसरस्लॉटर्न में एक युवती ने कार खरीदने के लिए इंकजेट प्रिंटर से 15 हजार यूरो (करीब 11 लाख रुपये) के नोट छाप डाले। इसके बाद वह कार शोरूम पहुंची और कार पसंद करने के बाद अगले दिन आने की बात कह कर चली गई। अगले दिन कार शोरूम पहुंचकर उसने टेस्ट ड्राइव किया। इसके बाद 15 हजार यूरो के नोट थमा दिए। इनमें 50 और 100 यूरो के नोट थे। इस मामले में हैरान करने वाली बात यह थी कि ये नोट इंकजेट प्रिंटर से छापे गए थे। शोरूम के कर्मचारी ने जैसे ही नोट गिनने शुरू किए तो उसे नोट नकली होने की आशंका हुई। इसकी जानकारी उसने अपने अधिकारियों को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। युवती को उसकी इस हरकत के लिए एक साल की जेल हो सकती है। जर्मनी की संघीय आपराधिक पुलिस के मुताबिक आरोपी युवती (20 साल) को एक साल की जेल हो सकती है। उन्होंने बताया कि युवती द्वारा जिस तरह घटना को अंजाम दिया गया है उससे ये लगता है कि नकली नोट उद्योग के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। बीकेए के अनुसार इस तरह की वारदात को अंजाम देने के लिए पेशेवर जालसाज उच्च तकनीकि के उपकरणों का प्रयोग करते हैं, ताकि नकली नोट असली नोट की तरह ही दिखें।

अडानी माइनिंग प्रोजेक्ट का वीडियो बनाने पर फ्रांसीसी पत्रकार गिरफ्तार

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में अडानी के मालिकाना हक वाली विवादित कोयला खदान के विरोध में हो रहे प्रदर्शन की कवरेज कर रहे एक फ्रांसीसी टेलीविजन चैनल के पत्रकारों को पुलिस ने सोमवार को हिरासत में ले लिया। उन पर अनाधिकार प्रवेश के आरोप लगाए गए। उत्तरी क्वीन्सलैंड के कारमाइल कोयला खदान में खनन के लिए अडानी को जून में मंजूरी मिली थी। यहां खनन को लेकर विवाद है क्योंकि इस खदान के निकट ही ग्रेट बैरियर रीफ है, जहां दुनिया की सबड़े बड़ी मूंगे की चट्टानें है। पर्यावरणविदों ने इस जगह को लेकर चेतावनी दी है कि यहां खनन होने से वैश्विक जलवायु पर विपरित असर होगा और इसके अलावा खनन से यहां की अतिसंवेदनशील प्रजातियों को भी खतरा है। फ्रांस के राष्ट्रीय टीवी प्रसारणकर्ता फ्रांस2 के लिए काम करने वाले रिपोर्टर ह्यूगो क्लेमेंट और उनके तीन सहकर्मियों को अबोट प्वाइंट टर्मिनल के निकट गिरफ्तार किया गया। इस दौरान वह विरोध प्रदर्शन का वीडियो बना रहे थे। पत्रकारों के साथ ही वहां प्रदर्शन कर रहे तीन लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। हालांकि बाद में पत्रकारों को जमानत दे दी गयी। जमानत के साथ ही पत्रकारों पर कारमाइल कोयला खदान से 20 किलोमीटर तक दूर रहने का प्रतिबंध लगाया गया है। इस पर पत्रकार क्लेमेंट का कहना है कि वह गिरफ्तारी से अचंभित हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि अडानी यहां एक बड़ी खबर हैं। यह गिरफ्तारी अजीब है। ऐसा लगता है कि उनके पास कुछ छुपाने के लिए है? अगर आप एक पत्रकार को गिरफ्तार करते हैं और उसके बाद पत्रकार से कहते हैं कि वह अडानी परियोजना स्थल से दूर रहें, यहां क्या हो रहा है? कारमाइल कोयला खदान दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खदान होने जा रही है। यहां सालाना छह करोड़ टन कोयला उत्पादन किया जाएगा।

ईरानी और ब्रिटिश टैंकरों से पकड़े गए सभी 42 भारतीय क्रू सदस्य सुरक्षित : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। जिब्राल्टर के जलडमरूमध्य में ब्रिटिश नौसैनिकों द्वारा जब्त किए गए ईरानी तेल टैंकर ग्रेस-1 में सवार सभी 24 भारतीय सुरक्षित हैं। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने यह जानकारी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि हरमुज खाड़ी क्षेत्र में ईरान द्वारा जब्त किए गए ब्रिटिश टैंकर पर सवार 18 भारतीय भी सुरक्षित हैं। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने ट्वीट कर के बताया कि तेहरान में भारतीय दूतावास ने टैंकर पर सवार भारतीयों से मुलाकात की है। भारत ने ईरान से अपने नागरिकों के लिए काउंसलर एक्सेस की मांग की है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से यह भी बताया गया कि लंदन स्थित उच्चायोग भारतीयों से जल्द मुलाकात करेगा। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने तेल टैंकर ग्रेस-1 में सवार 24 भारतीयों के जिब्राल्टर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की पुष्टि कर दी है। पकड़े गए सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। लंदन स्थित भारतीय अधिकारी जिब्राल्टर में भारतीय क्रू सदस्यों के संपर्क में हैं। भारतीय उच्चायोग की टीम 24 जुलाई को जिब्राल्टर जाएगी और पकड़े गए भारतीय नागरिकों से मुलाकात करेगी।

युकिया अमानो का निधन, इन्ही की देखरेख में हुआ था ईरान परमाणु समझौता

विएना। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने सोमवार को कहा कि उसके प्रमुख युकिया अमानो का निधन हो गया है। उनका स्वास्थ्य पिछले कुछ समय से ठीक नहीं था। उनका निधन ऐसे समय में हुआ है जब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी सचिवालय बेहद दुख के साथ सूचित कर रहा है कि 72 वर्षीय महानिदेशक युकिया अमानो का निधन हो गया है। बयान में कहा गया है कि अमानो का निधन 18 जुलाई को हुआ था, लेकिन उनके परिवार ने आईएईए को रविवार देर शाम इस बाबत सूचित किया। उनके परिवार ने यह भी अनुरोध किया था कि उनके देहांत का 22 जुलाई को उनके अंतिम संस्कार तक खुलासा नहीं किया जाए। उनके निधन के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लंबे अरसे तक जापान के राजनयिक रहे अमानो दिसंबर 2009 को आईएईए के महानिदेशक बने थे। उन्होंने 2009 में मिस्र के मोहम्मद अल बरदई का स्थान लिया था। आईएईए के प्रमुख के तौर पर अमानो का तीसरा कार्यकाल नवंबर 2021 में समाप्त होना था। अमानो की ही देखरेख में ईरान और छह विश्व शक्तियों--ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, जर्मनी, रूस और अमेरिका-- के बीच 2015 में परमाणु समझौता हुआ था। इस करार के तहत ईरान प्रतिबंध हटाने के बदले अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने को राज़ी हो गया था। मगर, अमेरिका के मई 2018 में इस समझौते से खुद को अलग करने के बाद से ईरान के साथ अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर है। ईरान और अमेरिका ने उनके निधन पर दुख जताया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमानो के निधन पर दुख जताया है।

ट्रंप की टिप्पणी पर अमेरिकी सांसदों ने माफी मांगी

कश्मीर विवाद कश्मीर पर सांसदों ने भारत के रुख का किया समर्थन

वॉशिंगटन। कश्मीर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अटपटी' टिप्पणी के लिए एक डेमोक्रेटिक सांसद ने अमेरिका में भारत के राजदूत से मंगलवार को माफी मांगी जबकि कई अन्य सांसद इस मुद्दे पर तीसरे पक्ष की भूमिका के खिलाफ भारत के रुख के समर्थन में सामने आए। सांसद ब्रैड शरमन ने ट्वीट किया कि मैंने अभी-अभी भारतीय राजदूत हर्ष श्रृंगला से ट्रंप की अटपटी एवं बचकानी गलती के लिए माफी मांगी है। इससे कुछ ही समय पहले ट्रंप ने चौंकाने वाला दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर मुद्दों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता करने या मध्यस्थ बनने को कहा था। हालांकि भारत ने फौरन इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था। पिछले 70 साल से भारत किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के प्रस्ताव का लगातार विरोध करता आया है और एक दशक से भी ज्यादा वक्त से अमेरिका दोहराता रहा है कि कश्मीर द्विपक्षीय मुद्दा है। शरमन ने ट्वीट किया, जो कोई भी दक्षिण एशिया में विदेश नीति के बारे में कुछ भी जानता है उसे पता है कि भारत कश्मीर में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता का लगातार विरोध करता रहा है। हर कोई जानता है कि प्रधानमंत्री मोदी इस तरह का सुझाव कभी नहीं दे सकते। एशिया, प्रशांत एवं परमाणु अप्रसार पर सदन की विदेश मामलों की उपसमिति के प्रमुख शरमन ने कहा, ट्रंप का बयान बचकाना एवं भ्रामक है। और अटपटा भी। प्रधान सहायक उपमंत्री एलिस वेल्स ने ट्वीट कर कहा कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मुद्दा है। उन्होंने ट्वीट किया, कश्मीर दोनों पक्षों के बीच का द्विपक्षीय मुद्दा है और ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत और पाकिस्तान इस पर बात करें और अमेरिका सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार है। ट्रंप की टिप्पणी के बाद विदेश मामलों पर सदन की समिति के प्रमुख सांसद इलियट एल एंजेल ने श्रृंगला से बात की। विदेश मामलों पर सदन की समिति द्वारा जारी एक बयान में कहा, एंजेल ने कश्मीर विवाद पर अमेरिका के पुराने रुख के प्रति अपना समर्थन यह कहते हुए जताया कि वह भारत-पाकिस्तान के बीच वार्ता का समर्थन करते हैं लेकिन इस बात पर कायम रहे कि वार्ता की रफ्तार एवं संभावना केवल भारत और पाकिस्तान द्वारा ही निर्धारित की जा सकती है।

मीडिया पर फिर साधा निशाना

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सोमवार को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ बैठक में अमेरिकी मीडिया पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों ने उनके साथ इमरान खान से बदतर व्यवहार किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इमरान खान के साथ वाइट हाउस में पहली बार मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया और कश्मीर सहित कई मुद्दों पर बातचीत की। ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि पाकिस्तान की मीडिया दुनिया के सबसे स्वतंत्र प्रेस में से एक है। उन्होंने इस आरोप को खारिज किया कि उनके कार्यकाल में देश में मीडिया की आजादी पर हमले हो रहे हैं। पाकिस्तानी पत्रकारों के सवाल के जवाब में खान ने कहा, 'पाकिस्तान की मीडिया दुनिया की सबसे आजाद मीडिया में से एक है.... अपनी खुद की मीडिया द्वारा जो मेरी आलोचना की जाती है वह अभूतपूर्व है। पाकिस्तानी मीडिया पर प्रतिबंध की बात कहना मजाक होगा।' खान के जवाब पर तुरन्त हस्तक्षेप करते हुए ट्रंप ने कहा, 'एक मिनट रुकिए। ऐसा हो ही नहीं सकता कि आपके साथ मुझसे बदतर व्यवहार किया गया हो।' बता दें कि 'पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज' (पीएमएल-एन) पार्टी ने सोमवार को प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार पर विपक्षी नेताओं की कवरेज पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया था। पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को ट्रंप ने अमेरिका की तरफ से एक क्रिकेट बैट भी गिफ्ट किया। इमरान खान के पाकिस्तान दौरे की काफी चर्चा हो रही है। अमेरिकी प्रेजिडेंट के कश्मीर मामले पर दिए बयान को लेकर भारत में भी काफी हंगामा हो रहा है।

पाकिस्तानी पुलिस कुर्बानी के जानवर की खाल पर सख्त

रावलपिंडी। पाकिस्तान में पुलिस को इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बकरीद के मौके पर कुर्बानी वाले जानवरों की खाल किसी भी कीमत पर प्रतिबंधित संगठनों के हाथ नहीं लगनी चाहिए। ऐसे कई संगठन नाम बदलकर खाल हड़पने की फिराक में हैं जिन पर कड़ी नजर रखने के लिए कहा गया है। इस्लाम धर्म के अनुसार कुर्बानी के जानवर के चमड़े को बेचकर इससे मिलने वाले धन का इस्तेमाल गरीबों के हित में और सामाजिक कार्यों के लिए किया जाता है। पाकिस्तान में इन चमड़ों को बेचकर इनका धन प्रतिबंधित संगठनों के खाते में पहुंचने की घटनाएं भी आम हैं जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां चिंतित हैं। यह संगठन धर्मार्थ कार्य की आड़ में अपनी समाज विरोधी गतिविधियों के लिए धन इकट्ठा करने में कामयाब हो जाते हैं।

वेनेज़ुएला में बिजली की आपूर्ति ठप

काराकस। राजधानी काराकस सहित वेनेजुएला के कई हिस्सों में सोमवार को बड़े पैमाने पर बिजली की आपूर्ति ठप रही। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने यह जानकारी साझा की। काराकस में स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजकर 41 मिनट (मानक समय रात 8¬41) पर बिजली गुल हो गई जबकि देश के अन्य हिस्सों में भी बिजली आपूर्ति ठप होने की जानकारी एक-एक कर सोशल मीडिया पर साझा की गई। सरकारी बिजली वितरण कंपनी कॉर्पोइलेक ने केवल काराकस के प्रभावित इलाकों में बिजली गुल होने की खबर दी। मार्च के बाद वेनेजुएला में इतने व्यापक स्तर पर बिजली गुल रहने की यह पहली घटना है। इससे पहले वेनेजुएला के प्रेजिडेंट ने बिजली आपूर्ति में कटौती के लिए विपक्ष और अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया था। वेनेजुएला सरकार ने बिजली कटौती को इलेक्ट्रिसिटी के जरिए विरोधियों का हमला करार दिया। बता दें कि वेनेजुएला इस वक्त गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इतना ही नहीं वेनेजुएला में जरूरी चीजों और दवाइयों की भी भारी कमी की रिपोर्ट्स आ रही हैं। विपक्षी पार्टियों ने सरकार की नीतियों को बिजली संकट के लिए जिम्मेदार बताया। विपक्षी दलों और बिजली उत्पादन और विभाग की बारीकी से जानकारी रखनेवाले विशेषज्ञों ने बिजली कटौती के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय से बिजली विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। विभाग का आधुनिकीकरण नहीं किया गया है और यह इन्फ्रास्ट्रक्चर के तौर पर भी काफी खस्ता हालत में है।

ईरान से टैंकर छोड़ने की मांग दोहराई

लंदन। ब्रिटेन ने एक बार फिर से ईरान से कहा कि वह उसके झंडे वाले जब्त तेल टैंकर को छोड़ दे। प्रधानमंत्री टरीजा मे ने घटना पर प्रतिक्रिया देने के लिए चर्चा करने के वास्ते आपात बैठक बुलाई है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कोर ने शुक्रवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से स्टेना इम्पेरो नाम के तेल टैंकर को उसके चालक दल के सदस्यों के साथ जब्त कर लिया था। इसके चालक दल में कप्तान समेत 18 भारतीय, तीन रूसी, एक लातवियाई और एक फिलीपीन का नागरिक है। इसके बाद से तनाव नाटकीय तरीके से बढ़ गया। इससे करीब 2 हफ्ते पहले ब्रिटेन के अधिकारियों ने जिब्राल्टर के जल क्षेत्र से ईरानी टैंकर को जब्त कर लिया था। ब्रिटेन ने सीरिया के खिलाफ लगे प्रतिबंधों को तोड़ने के शक में इस टैंकर को जब्त किया था। मे के प्रवक्ता ने कहा कि टैंकर को झूठे और अवैध बहानों से जब्त किया गया है और ईरानियों को इसे और इसके चालक दल को तत्काल छोड़ देना चाहिए। मे मंत्रियों और अन्य अधिकारियों के साथ आपात बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। प्रवक्ता ने कहा, 'हम ईरान के साथ टकराव नहीं चाहते हैं, लेकिन वैध व्यापार के लिए अंतरराष्ट्रीय तौर पर मान्यता प्राप्त रास्ते से गुजर रहे टैंकर को जब्त करना अस्वीकार्य और तनाव को बढ़ाने वाला है।'

ब्रिटेन का टैंकर जब्त करना कानूनी कदम : ईरान

उन्होंने कहा कि ईरान ने दावा किया कि एक मछली पकड़ने वाली नौका को टक्कर मारने के बाद आपात संकेत का जवाब नहीं देने और ट्रांसपोंडर को बंद कर देने की वजह से टैंकर को जब्त किया गया। ईरान सरकार के प्रवक्ता अली रबीई ने तेहरान में सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ब्रिटेन के टैंकर को जब्त करना ईरान का कदम कानूनी है। बहरहाल, ब्रिटेन ने कहा कि टैंकर के टकराने का कोई सबूत नहीं है और टैंकर ओमान के जल क्षेत्र में था तथा उसके 'ट्रांसपोंडर' चालू थे। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेरेमी हंट ने रविवार को अपने फ्रांस तथा जर्मनी के समकक्षों से बात की। यूरोपीय संघ भी ईरान के कदम पर गहरी चिंता जता चुका है।

नेपाल: भूस्खलन से छह की मौत, राहत कार्य जारी

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से नेपाल में हो रही भारी बारिश की वजह से आई बाढ़ ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बाढ़ के बाद भूस्खलन की एक के बाद एक कई घटनाओं से लोग परेशान हैं। सोमवार को एक हादसे ने छह लोगों की सांसें छीन ली। गुल्मी जिला पुलिस कार्यालय में तैनात इंस्पेक्टर रवीन्द्र खड़का के अनुसार, सोमवार देर रात जिले के लिमघा और थुलो लुम्पेक इलाकों में भूस्खलन हुआ। इस दर्दनाक हादसे में एक बच्चे सहित छह लोगों की मौत हो गई। इनमें से दो की पहचान दर्शन तारामु (7) और तिल कुमारी (31) के रूप में हुई है।

श्रीलंका में आतंकवाद को रोकने के लिए नए कानून बनाने की तैयारी

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि ईस्टर के मौके पर हुए सिलसिलेवार बम धमाकों जैसी घटनाओं से निपटने के लिए मौजूदा कानून पर्याप्त नहीं है, लिहाजा आतंकवाद को रोकने के लिए नए कानून बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि फिदायीन हमले के बाद सबको डर था कि देश बर्बाद हो जाएगा। श्रीलंका में 21 अप्रैल को तीन गिरजाघरों और होटलों समेत अन्य स्थानों पर आठ बम धमाके हुए थे, जिसमें भारतीयों समेत 258 लोगों की मौत हो गई थी। विक्रमसिंघे के हवाले से कोलंबोपेज ने कहा कि लोगों में काफी खौफ था। इसलिए हमने फैसला किया कि पुलिस पहले सभी आतंकवादियों को पकड़े तथा उन पर मुकदमा चलाया जाए। दूसरे, हमें देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लाने की जरूरत है ताकि यह फिर नहीं हों। 97वें अंतरराष्ट्रीय सहयोग दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवादी हमले से संबंधित सभी जिंदा आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें वे भी शामिल हैं जो विदेश में रह रहे थे। पुलिस ने इन हमलों के लिए स्थानीय जिहादी समूह को जिम्मेदार ठहराया है। विक्रमसिंघे ने कहा कि पुलिस ने नेशनल तौहीद जमात की मदद करने के सिलसिले में करीब 200 संदिग्धों को पकड़ा है। जमात ही ये धमाके करने का कसूरवार है। उन्होंने कहा कि अब तक हमने लिट्टे के आतंकवाद का सामना किया है, लेकिन यह अलग है। ईस्टर हमले से संबंधित समूह को पकड़ने से इस तरह का आतंकवाद खत्म नहीं होगा। हम लिट्टे के आतंकवाद को देखकर आईएसआईएस के आतंकवाद का सामना नहीं कर सकते हैं। हमें नई रणनीति के बारे में सोचने की जरूरत है। नए कानूनों की जरूरत है और इन कानूनों को बदलने की जरूरत है।÷ हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी।

अब तक 10,111 बार झूठे दावे कर चुके हैं ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कश्मीर मामले को लेकर गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ मुलाकात के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर मुद्दे पर उनसे मध्यस्थता करने के लिए कहा था। हालांकि भारत सरकार ने ट्रंप के इस विवादास्पद दावे को स्पष्ट तौर पर खारिज कर दिया। भारत का कहना है कि कश्मीर द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। साथ ही व्हाइट हाउस ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद जारी विज्ञप्ति में कश्मीर मुद्दे का जिक्र तक नहीं किया। व्हाइट हाउस ने बयान में कहा, हम शांति, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि के लिए पाकिस्तान के साथ काम करना चाहते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने कोई झूठ बोला हो। वह आए दिन अलग-अलग मामलों पर झूठ बोलते रहते हैं। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप रोजाना 23 बार झूठ बोलते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 21 अप्रैल तक ट्रंप ने 828 दिनों में 10,111 बार झूठे दावे किए हैं। इन दावों में ट्रंप की ट्विटर पर की गई पोस्ट को भी शामिल किया गया है। हैरानी की बात को ये है कि महज तीन दिन (25-27 अप्रैल) में ट्रंप ने 171 झूठे और गुमराह करने वाले दावे किए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के सभी दावों का पांचवां भाग आव्रजन मुद्दे से संबंधित है। इनकी संख्या दिसंबर, 2018 के सरकारी शटडाउन के बाद से बढ़ी है। इससे पहले वाशिंगटन पोस्ट ने ट्रंप के कार्यभार संभालने के दो साल बाद एक रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें कहा गया था कि ट्रंप ने इस दौरान 8,158 झूठे और भटकाने वाले दावे किए हैं। ट्रंप ने आव्रजन पर 1433, विदेश नीति पर 900, व्यापार पर 854, अर्थव्यवस्था पर 790, नौकरियां 755 और अन्य मामलों पर 899 बार झूठ बोला है। समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में 'फैक्ट चेकर' के आंकड़ों का हवाला दिया है। यह फैक्ट चेकर राष्ट्रपति द्वारा दिये गए प्रत्येक संदिग्ध बयान का विश्लेषण, वर्गीकरण और पता लगाने का कार्य करता है।

एक हफ्ते में जीत सकते हैं अफगान युद्ध : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अफगानिस्तान में शांति वार्ता को आगे बढ़ाने में पाकिस्तान के सहयोग की सराहना की। अमेरिका पिछले 18 साल से चल रहे अफगान युद्ध को खत्म करने के लिए तालिबान के साथ समझौता चाहता है। ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से बातचीत में कहा कि वह सैनिकों की सहायता से इस संघर्ष को कुछ ही दिनों में खत्म कर सकते हैं और अफगानिस्तान धरती से मिट सकता है लेकिन बातचीत ज्यादा ठीक है। पाकिस्तान 1990 के दशक से ही तालिबान को मदद पहुंचाने वाला रहा है। अफगानिस्तान में अभी भी ये युद्ध जारी है। साल 2001 की तुलना में एक बड़ा हिस्सा आज भी तालिबान के ही नियंत्रण में है। विद्रोहियों के साथ लगातार बने हुए गतिरोध को देखते हुए, ट्रंप अब युद्ध विराम के इच्छुक नजर आ रहे हैं। इसके लिए अमेरिका सालाना 45 अरब पाउंड खर्च करता है। यहां आज भी अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। नेटो मिशन के तहत अफगान सिक्योरिटी फोर्सेज को प्रशिक्षण देने के लिए अफगानिस्तान में करीब हजार ब्रिटिश सैनिक भी मौजूद हैं। ट्रंप ने खान से कहा कि हमने बीते कुछ हफ्तों में काफी प्रगति की है, जिसमें पाकिस्तान ने हमारा साथ दिया है। अमेरिका के लिए बहुत सी चीजें हो रही हैं, और मुझे लगता है कि आपके नेतृत्व में पाकिस्तान के लिए भी बहुत सी बड़ी चीजें होने वाली हैं। हालांकि ट्रंप ने ही बीते साल पाकिस्तान को दोगला बताते हुए उसे मिलने वाली तीन करोड़ डॉलर की सुरक्षा सहायता पर रोक लगा दी थी।